

(Thorium)

२. थोरियम

थोरियम चूर्जे - ब्रह्मतेर रंग की धातु है लिखा गया।
 द्रवणांक लगभग 2750° रीलिसाराट्ट आ
 5000° पाइरन हाइट है; थोरियम की
 तमुण अन्यास की भीनी जाइट है जो शीली
 की शिराओं में तथा रेती में वाई जाती है;
 काली रेत में भी लैलॉर 10° तक
 थोरियम वायी जाती है। इसके अतिरिक्त
 थोरियैनाइट और इलेनाइट जैली घागियों
 ले भी थोरियम वायी प्राप्त होती है;
 थोरियम का मधीज अपर्याप्त उत्पादन की
 साथ ही मिश्र धातुओं एवं अंगृहियों
 के निमणि, तापरीणी कार्यों आदि कई
 अन्य कार्यों में भी किया जाता है।
 भौतिकियां और थोरियम के मिश्रण
 तथा मधीज उच्च सत्तासंग्रह जातायान
 उच्चीर्णी तथा विकित्सा के क्रीत्र में किया
 जाता है; विद्युत तथा ऐडियो इलेक्ट्रो
 रिलायेन्ट में भी थोरियम का उच्चीर्ण
 किया जाता है; विद्युत तथा ऐडियो
 इलेक्ट्रो रिलायेन्ट में भी थोरियम का
 उच्चीर्ण किया जाता है; संचित मण्डार
 उत्पादन तथा उच्चीर्ण के अनुसार
 थोरियम का स्थान धूरेनियम के पश्चात
 आता है। इसके बंधित मण्डार विशेष
 के उच्च दूषित कीटों में पायी जाती है।
 थोरियम का महत्वपूर्ण मण्डार भारत,
 बांग्लादेश, अफ़्रीका, संयुक्त
 राज्य, अस्त्रिया, नाइजीरिया, एवं
 इस्त्री इण्डिनेशिया आदि देशों में
 स्थित है।

ધીરિયામ કા વિતરણ

थीरियम (मौनीजाइट) की लावर्फिक
भातः बाब्पि मारत में केरल के लमुद्र तटीय तंतीले
भाग तथा व्याषील के पुरी लमुद्र तटीय भाग
विशेष रूप से एस्ट्रिपरिटी लान्टी के त्रैन में पायी
जाती है। इसके अनिरिक्त लंगुकत राज्य असैरिय
नाइजीरिया, दक्षिण अफ्रीका लंदा, रब्ल तथा
इण्डीनीशिया के द्वामान्त्रा द्वीप में भी थीरियम
के उत्पाद मिलते हैं; थीरियम का वृहतम
भण्डार भारत में टिथित है। यहाँ थीरियम मुख्यतः
मौनीजाइट खनिज में मिलता है। सार्वतीय
मौनीजाइट में ८ ले १०% तक थीरियम ऑक्साइड
मिलता है। भारत में मौनीजाइट लमुद्र तटीय घनुम
मिट्टी में मिलती है; केरल के किंवलीन जनपद
थी लैकर दक्षिण में कन्दालुमारी (तितमिलनाडु)
तक तथा तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और उडीसा
के पुरी लमुद्र तट पर मौनीजाइट उल्लौट्टनीय
भास्त्र में मिलता है; मौनीजाइट झारठबंड के
शांची और पश्चिम पंगाल के पुलिल्या
जनपद में भी पाया जाता है।

ੴ. ਪਰਮਾਪਾਂ ਅਨੇਕਾਂ ਦਾ ਉਤਾਰਨ

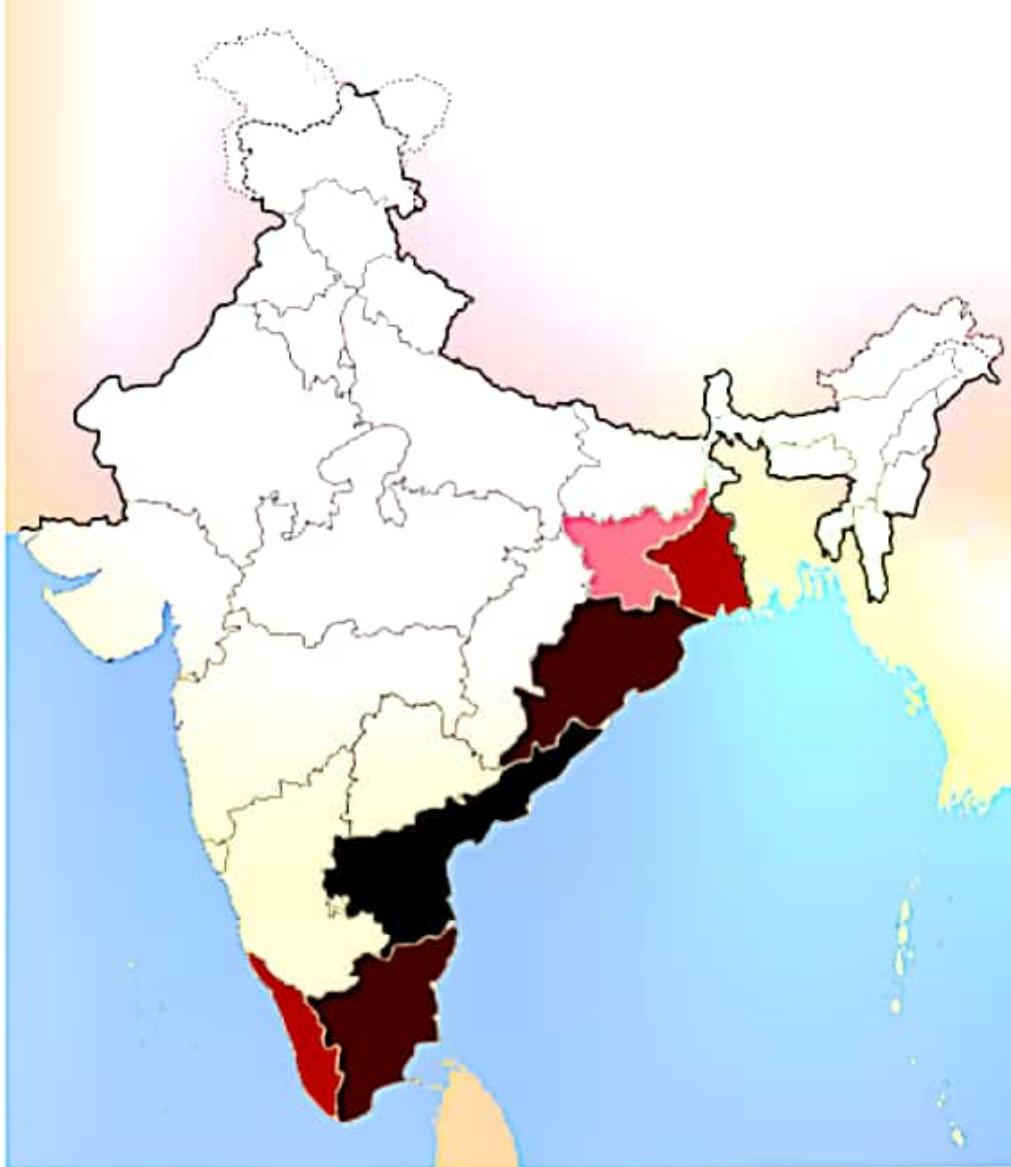
(Production of Nuclear Energy)

परमाणु शक्ति का ज्ञान १९३० की दशक में
दी दी गया था किन्तु इसका विवर लंबा
पर उत्पादन द्वितीय विश्वयुद्ध के पश्चात
आरंभ हुआ। यूरेनियम् और थीरियम् परमा-
शक्ति के प्रमुख उत्तोत हैं; अन्य जीवीक
मौनीबाइट, लीरिजियम्, इलमैनाइट,
लैनीडियम्, एप्टीमनी आदि उल्लेखनीय हैं।

परमाणु अर्बा सुख्यतः इनके रीडियीशनी परमाणुओं के विटवण्डन द्वापर दीती है। परमाणुओं के विटवण्डन का कार्य विशेष दंग से निर्मित रिएक्टर (Reaction) के हमाध्यम से किया जाता है। परमाणुओं के विटवण्डन से प्राप्त दीने वाली अर्जी की विद्युत में परिवर्तित किया जाता है। परमाणुओं के विटवण्डन का कार्य विशेष दंग से निर्मित प्राप्त दीने वाली अर्जी की विद्युत में परिवर्तित किया जाता है।

परमाणु व्यनिजनी द्वारा परमाणुओं की प्राप्ति के लिए संस्थापित लंयेत्री व में उत्पन्न शोधन लाई, किया जाता है। परमाणु शक्तिगति में उचित किए गये रिएक्टर में दूरीनियम, धीरियम, आदि रीडियीशनी व्यनिजनी के विटवण्डन द्वारा उत्पन्न अर्जी की विद्युत की घटप में परिवर्तित किया जाता है। वर्तमान लम्बा विशेष के जुल विद्युत उत्पादन का लगभग 17% परमाणु अर्बा की घटप में प्राप्त दीता है। सम्पूर्ण विशेष में उत्पत्ति जुल परमाणु की घटप में प्राप्त दीता है। सम्पूर्ण विशेष में उत्पत्ति जुल परमाणु की घटप में प्राप्त दीता है। सम्पूर्ण विशेष में उत्पत्ति जुल परमाणु की घटप में प्राप्त दीता है। सम्पूर्ण विशेष में उत्पत्ति जुल परमाणु की घटप में प्राप्त दीता है। सम्पूर्ण विशेष में उत्पत्ति जुल परमाणु की घटप में प्राप्त दीता है। सम्पूर्ण विशेष में उत्पत्ति जुल परमाणु की घटप में प्राप्त दीता है।

सम्पूर्ण विशेष में लगभग 30 दीशी में परमाणु अर्बा का उत्पादन किया जाता है, जिनमें 13 दीश १५ अरण व क्रोमीपाट दाप्ता वे अधिक अर्बा का उत्पादन करते हैं।



India's thorium is mostly located in a contiguous belt of eastern coastal states as [placer sands](#). 2016 monazite reserve estimates:^[8]

- Andhra Pradesh (31%)
- Tamil Nadu (21%), and Odisha (20%)
- Kerala (16%), and West Bengal (10%)
- Jharkhand (2%)